II RAM II
HANUMANT HIGH SCHOOL

RBK EDUCATIONAL INSTITUTIONS

पद- मोहन लौट आओ

मोहन रे...
तोरी मुरली के प्यासे,
मुरली धुन सुन राधा जागे | मोहन रे .....

वंशी की धुन ज्यों ही सुनत है,
सूरत दरस को अँखिया प्यासी |
ग्वाल बाल ब्याकुल भयत है,
वन वंशी गैया है साथी | मोहन रे .....

गोपियन के संग रास रचायो,
गो पालों के बाल सखा रे |
नंदनवन तोरे आवन को तरस है,
यमुना की लहरें भी उदासी | मोहन रे .....

मयूर कोयल पपिह पुकारे,
भौरां गुनगुन बिरहा गावे |
मंद बयार को चहुँ छितरा दो
बृन्दावन के प्राण लौटा दो | मोहन रे .....

ऋतुओं के रंग फीके पड़े हैं ,
आस में तोरी बाट तके हैं |
भोर भये नित पाय पखारू,
अब तो आवो दरस दिखाओ| मोहन रे .....

ऋत्वि जोषी
TGT हिंदी-गुजराती
हनुमंत हाई स्कूल - महुवा

KANAKIA
PERFECTION ALL THE WAY
Supported by the KANAKIA Group